भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5460

जिसका उत्तर 03 अप्रैल, 2025 को दिया जाना है।

.....

हरिद्वार में घाटों पर गंगा में न्यूनतम जल प्रवाह

5460. श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावतः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा विशेषकर ऊपरी गंगा नहर के मरम्मत कार्य के दौरान हरिद्वार घाट में गंगा में न्यूनतम जल प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ख) क्या सरकार ने हरिद्वार में घटते जल स्तर का धार्मिक अनुष्ठानों, पर्यटन और जलीय जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव पर कोई अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और मुख्य निष्कर्ष क्या हैं;

(ग) सरकार द्वारा कम जल स्तर के दौरान उक्त घाटों पर प्रदूषण और अपशिष्ट के संचय को रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(घ) क्या सरकार हरिद्वार में धार्मिक गतिविधियों के दौरान पानी की कमी को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के साथ समन्वय कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार के पास नहर के रखरखाव और हरिद्वार घाट में निर्बाध जल आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए कोई दीर्घकालिक योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क), (घ) एवं (ङ): भारत सरकार ने दिनांक 9 अक्टूबर, 2018 के राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से गंगा नदी के लिए न्यूनतम पर्यावरणीय प्रवाह को अधिसूचित किया है, जिसे नदी के विभिन्न स्थानों पर बनाए रखने की आवश्यकता है। यह आदेश ऊपरी गंगा नदी बेसिन पर लागू होता है, जो ग्लेशियरों के उद्गम से शुरू होता है और इसकी प्रमुख सहायक नदियों के संबंधित संगम से होते हुए अंततः देवप्रयाग से हरिद्वार तक तथा उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले तक गंगा नदी के मेन स्टेम

तक फैला हुआ है। अधिसूचना के अनुसार, 11 परियोजनाओं के लिए दिनांक 1 जनवरी, 2019 से केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा ई-प्रवाह की निगरानी की जा रही है।

मरम्मत कार्यों के लिए ऊपरी गंगा नहर को प्रतिवर्ष बंद रखा जाता है। इस अवधि के दौरान, पुराने आपूर्ति चैनल के माध्यम से गंगा आरती के समय पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भीमगोडा बैराज पर बैराज जलाशय स्तर बनाए रखा जाता है। नहर रखरखाव अवधि के दौरान अस्थायी बांध बनाकर हर की पोड़ी पर सुबह और शाम श्री गंगा आरती के लिए पानी प्रदान करने की व्यवस्था मौजूद है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि विभिन्न धार्मिक कार्यकलापों के दौरान हरिद्वार में जल की उपलब्धता के संबंध में विभिन्न विभागों/एजेंसियों के बीच विभिन्न स्तरों पर समन्वय सुनिश्चित किया जाता है।

(ख): नदियों में प्रवाह सक्रिय होता है और यह कई मापदंडों जैसे कि वर्षा, कैचमेंट क्षेत्र में इसका वितरण और तीव्रता, कैचमेंट क्षेत्र की विशेषताएं और पानी की निकासी/उपयोग पर निर्भर करता है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) देश भर की नदियों पर हाइड्रोलॉजिकल अवलोकन करती है।

इसके साथ-साथ, गंगा नदी पर हरिद्वार, ऋषिकेश और देवप्रयाग (जी) नामक 03 स्थानों के लिए वर्ष 2020-2024 के बीच मापे गए वार्षिक डिस्चार्ज डेटा में कमी आने का कोई संकेत नहीं मिला है। विस्तृत ब्यौरा **अनुलग्नक** में दिया गया है।

(ग): उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार नगर निगम, हरिद्वार, अपने स्थानीय निकाय क्षेत्र में घाटों की सफाई का कार्य करता है।

*****

अनुलग्नक

"हरिद्वार घाटों पर गंगा में न्यूनतम जल प्रवाह" के संबंध में लोक सभा में दिनांक 03.04.2025 को उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 5460 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

गंगा नदी पर हरिद्वार के प्रतिप्रवाह सीडब्ल्यूसी एचओ स्टेशनों का वार्षिक रनऑफ (एमसीएम) (2021-2025)			
वर्ष	**हरिद्वार जीडीएसक्यू साइट**	**ऋषिकेश जीडीएसक्यू साइट**	**देवप्रयाग (जी) जीडीएसक्यू साइट**
2020-2021	649.58	569.57	640.98
2021-2022	617.27	664.4	775.4
2022-2023	721.67	611.56	701.27
2023-2024	1024.53	725.47	802.82
2024-2025*	775.07	723.21	821.68

नोट:- जलवर्ष जून से मई तक होता है

* आंशिक जलवर्ष (जून से मार्च)

****